सम्मानित • पुलिस गरीब बच्चों को सिखा रही कैसे नशे से दूर रहें, कैसे बेहतर बनें

'चाइल्ड फ्रेंडली एंड ड्रग फ्री कम्युनिटी' के लिए पहली बार पुलिस को मिला 'एपीजे कलाम अवॉर्ड'

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

'चाइल्ड फ्रेंडली एंड ड्रग फ्री कम्युनिटी' के लिए पहली बार यूटी पुलिस को मिला 'एपीजे कलाम अवॉर्ड' मिला है। चंडीगढ़ पुलिस ने पिछले कुछ महीने से गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए ट्रेनिंग शुरू कर रखी है। इसके तहत बच्चों को पढ़ाने के अलावा नशे से दूर रहना, महिलाओं की इज्जत करना और समाज में प्रभावी कैसे बनें, यह सिखाया जाता है। एक साल में इस परियोजना के 1000 बच्चों को ट्रेनिंग देने का टारगेट रखा गया है। बच्चों को सिखाया जाता है कि वे स्लम से ऊपर निकलकर जिंदगी में कैसे बेहतर जीवन जी सकते हैं।

इस परियोजना की शुरुआत एसएसपी यूटी नीलांबरी जगदाले ने की थी। इसे एक एनजीओ सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मास (एसपीवाईएम) के सहयोग से चलाया जा रहा है। परियोजना के तहत रामदरबार, बापूधाम और धनास से बच्चों की समस्याओं और जरूरतों को समझने के लिए आरडब्ल्यूए के सदस्यों, समुदाय के नेताओं, सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल के साथ मीटिंग की गई। इसके बाद बच्चों को सलाह देने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया गया।

Dainik Bhaskar Dt: 02.03.2019

UT police get awarded f[...] innovation in governance

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, MARCH 1

The Chandigarh Police have been felicitated with the Kalam Innovation in Governance Award for its pioneer project to mentor children belonging to vulnerable sections of society.

ASP Niharika Bhatt received the award on behalf of the UT police from Dr Rajiv Kumar, Vice-Chairman, NITI Ayog, during the Dr APJ Kalam Summit at New Delhi yesterday. Vice President Venkaiah Naidu had inaugurated the summit, an international conclave of policy makers, civil services officers, NGOs, media and academia.

The UT police got the award for their project "Child-friendly and drug-free community". The project is a brainchild of SSP Nilambari Jagdale and is being implemented in collaboration with an NGO, the Society for Promotion of Youth and Masses (SPYM).

In November last year, the UT police and the SPYM surveyed 22,000 children in vulnerability pockets of the city, namely Ram Darbar, Bapu Dham and Dhanas, and found 3,000 in high-risk category. In December, a pilot project was launched wherein 242 children were enrolled for teaching life skills in the first phase. The objective is to bring 1,000 children under the aegis of the project in one year.

The desired outcomes are reduction in school absenteeism, improvement in school grades, staying away from drugs and habit-forming substances, reduction in petty crimes, reduction in juvenile delinquency, reduction in eve teasing, molestation and crime against women etc.

ABOUT THE PROJECT

- The UT police launched the project, Child-friendly and drug-free community, in December last year.
- As many as 242 children were enrolled for teaching life skills in the first phase.
- The objective is to bring 1,000 children under the project in one year.
- The desired outcomes are reduction in school absenteeism, staying away from drugs, reduction in petty crimes, reduction in juvenile delinquency etc.

The Tribune
Dt: 02/03/2019

SSP Nilambari Jagdale with children, who are being taught life skills by the UT police under the project, 'Child-friendly and drug-free community', in Chandigarh. TRIBUNE PHOTO

The Tribune Dt: 02/03/2019

यू.टी. पुलिस ने आर्थिक तौर पर कमजोर बच्चों का बीड़ा उठाया

रामदरबार, धनास व बापूधाम कॉलोनी के एक हजार से अधिक बच्चों को किया जाएगा जागरूक

चंडीगढ़, 1 मार्च (संदीप): पुलिस ने आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के बच्चों को नई दिशा देने का बीड़ा उठाया है। इसकी कमान एस.एस.पी. निलांबरी जगदले ने संभाली है। प्रैस कांफ्रैंस में उन्होंने बताया कि शहर के स्लम एरिया के बच्चों को नशे व अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। प्रोजैक्ट के तहत रामदरबार, धनास व बापूधाम कालोनी के एक हजार से अधिक बच्चों को इसमें शामिल किया जाएगा है। उन बच्चों को स्कूल के बाद एक वर्कशॉप में बेहतर संचार कौशल, ड्रग्स से दूर रहने व बेहतर सामाजिक कौशल विकसित करने की सीख दी जा रही है।

पहले चरण में 242 बच्चों को शामिल किया

एस.एस.पी. ने बताया कि इस प्रोजैक्ट के पहले चरण मे 242 बच्चों को शामिल किया जा रहा है। एक साल में इस प्रोजैक्ट के तहत 1000 बच्चों को लाने का लक्ष्य है। इसकी मदद से बच्चे स्कूल जाने के प्रति जागरूक होंगे, स्कूल ग्रेड में सुधार, ड्रग्स व अन्य मादक पदार्थों से दूर रहेंगे।

प्रोजैक्ट एस.एस.पी. जगदले का आइडिया

एस.एस.पी. ने बताया कि इसके लिए चंडीगढ़ पुलिस सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ यूथ एंड मासिस (एन.जी.ओ.) के साथ मिलकर इस प्रोजैक्ट पर काम कर रही है। चाइल्ड फ्रैंडली एंड ड्रग फ्री कम्युनिटी नाम से यह प्रोजैक्ट एस.एस.पी. निलांबरी जगदले का आइडिया है जिसको भारत सरकार की ओर से सम्मानित भी किया जा चुका है। इस प्रोजैक्ट को भारत सरकार द्वारा कलाम इनोवेशन इन गवर्नैंस अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड चंडीगढ़ पुलिस को नीति आयोग के चेयरमैन डा. राजीव कुमार द्वारा प्रदान किया गया है। इस मौके पर कई प्रतिष्ठित शख्सियतें मौजूद रहीं।

Punjab Kesri Dt: 02.03.2019

UT wins Kalam Innovation in Governance Award on drug-free community project

TIMES NEWS NETWORK

ANALYSING | Under the project, police held meetings with RWAs, community leaders, teachers, principals of government schools and children of different areas to understand the problems and needs of the children there

Chandigarh: UT police have won prestigious Kalam Innovation in Governance Award (KIGA) for its project 'Child Friendly and Drug-Free Community'. The award to UT police was given by Rajiv Kumar, vice-chairman, NITI Ayog in the presence of dignitaries.

While speaking to media, Nilamabari Jagdale, SSP, UT said Dr A P J Kalam Summit on Innovation in Governance is an international conclave of policy makers, civil service officers, NGOs, media and academia who are dedicated to the task of governance and its dimensions. The summit was inaugurated by Venkaiah Naidu, vice president of India at Kalam Centre on February 28.

A total of 242 children are being mentored in the first phase under this project. After a few months of mentoring, the batch of students will change. The aim of the project is to cover 1,000 children in the span of one year. Cops expect the project to help in reduction of school absenteeism, decline in drug abuse cases, petty crimes, juvenile delinquency, eve teasing and so on.

The project is being implemented in collaboration with an NGO Society for Promotion of Youth and Masses (SPYM). Under the project, vulnerability areas were identified in the city. Police held meetings with RWA members, community leaders, teachers, principals of government schools and children of different areas to understand the problems and needs of the children there.

The award was conferred by NITI Ayog vice chairman Rajiv Kumar in the presence of former chief secretary, UP, Alok Ranjan, minister for art and culture, tribal welfare, civil supplies, Govind Gaude, secretary general, Rajya Sabha, Desh Deepak, and Kalam Centre CEO Srijan Pal Singh.

Times of India
Dt: 02/03/2019

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਨੂੰ 'ਕਲਾਮ ਇਨੋਵੇਸ਼ਨ ਇਨ ਗਵਰਨੈਂਸ ਐਵਾਰਡ'

'ਚਿਲਡਰਨ ਫਰੈਂਡਲੀ ਐਂਡ ਡਰੱਗ ਫ੍ਰੀ ਕਮਿਊਨਿਟੀ' ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਲਈ ਮਿਲਿਆ ਸਨਮਾਨ

ਖੇਤਰੀ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 1 ਮਾਰਚ

ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਭਾਰਤ ਦੇ ਉਪ ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਵੈਨਕਿਆ ਨਾਇਡੂ ਵੱਲੋਂ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਨੂੰ 'ਕਲਾਮ ਇਨੋਵੇਸ਼ਨ ਇਨ ਗਵਰਨੈਂਸ ਐਵਾਰਡ' (ਕਿਗਾ) ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਐਵਾਰਡ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ 'ਚਿਲਡਰਨ ਫਰੈਂਡਲੀ ਐਂਡ ਡਰੱਗ ਫ੍ਰੀ ਕਮਿਊਨਿਟੀ' ਸਬੰਧੀ ਮਿਲਿਆ।

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਐੱਸਐੱਸਪੀ ਨੀਲਾਂਬਰੀ ਜਗਦਲੇ ਦੀ ਦਿਮਾਗ ਦੀ ਕਾਢ ਇਹ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਗੈਰ ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਸਥਾ 'ਸੁਸਾਇਟੀ ਫ਼ਾਰ ਪ੍ਰਮੋਸ਼ਨ ਆਫ ਯੂਥ ਐਂਡ ਮਾਸਜ਼' ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਨਾਲ ਚਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਪ੍ਰਾਜੈਕਟ ਤਹਿਤ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਚ ਰਾਮ ਦਰਬਾਰ, ਬਾਬੂ ਧਾਮ ਅਤੇ ਧਨਾਸ ਦੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਤਬਕੇ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਅਤੇ ਲੋੜਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਲਈ ਰੇਜ਼ੀਡੈਂਟਸ ਵੈਲਫੇਅਰ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ, ਆਗੂਆਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨਾਲ ਮੀਟਿੰਗਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਛੁੱਟੀ ਮਗਰੋਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਧੀਆ ਜੀਵਨਸ਼ੈਲੀ ਬਾਰੇ ਸਲਾਹ ਦੇਣ ਲਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ, ਜਿਸ ਸਮੇਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਸਫਾਈ ਪ੍ਰਬੰਧ, ਬਿਹਤਰ ਸਿਹਤ ਸੇਵਾਵਾਂ, ਵਧੀਆ ਸੰਚਾਰ ਕਰਨ ਦੇ ਹੁਨਰ, ਨਸ਼ਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਤੇ ਹੁਨਰ ਵਿਕਸਤ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮੱਦਦ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਐੱਸਐੱਸਪੀ ਨੀਲਾਂਬਰੀ ਜਗਦਲੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨਾਲ। -ਫੋਟੋ: ਮਨੋਜ ਮਹਾਜਨ

Punjab Tribune Dt: 02.03.2019

UT police project wins 'Kalam innovation in governance award'

DP **CORRESPONDENT**
Chandigarh

Chandigarh Police have brought laurels to the city yet again by winning the very prestigious Kalam Innovation in Governance Award (KIGA) for its pioneer project to mentor the children belonging to vulnerable sections of society.

Dr APJ Kalam Summit on Innovation in Governance is an international conclave of policy makers, civil service officers, NGOs, media and academia who are dedicated to the task of governance and its dimensions. The summit on February, 28 was inaugurated by Vice President of India, Venkaiah Naidu. The Summit is held by Dr APJ Abdul Kalam Centre, which was formed in 2015 to promote innovations, especially in governance and social enterprises, improve youth participation in national and international development and improve access to education and knowledge in all strata of the society. The expected outcomes are reduction in school absenteeism, improvement in school grades, staying away from drugs and etc.

HIGHLIGHT

- The identified children are those who had either indulged in some kind of petty crimes or in drug abuse and are at high risk of getting involved in criminal activities have been identified

Daily Post Dt: 02/03/2019

एसएसपी यूटी ने चंडीगढ़ पुलिस को दिलाया 'किगा' अवार्ड

यूटी पुलिस ने गरीब बच्चों को शिक्षित करने का उठाया बीड़ा

अमर उजाला ब्यूरो

चंडीगढ़। कमजोर वर्ग के बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें शिक्षित करने का बीड़ा उठाया है। एसएसपी यूटी, निलांबरी जगदले की सकारात्मक सोच और प्रयासों की बदौलत चंडीगढ़ पुलिस को कलाम इनोवेशन इन गवर्नेंस अवॉर्ड (किगा) का सम्मान हासिल हुआ है।

एसएसपी ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि चंडीगढ़ पुलिस प्रोजेक्ट 'चाइल्ड फ्रेंडली एवं ड्रग फ्री कम्यूनिटी' के अंतर्गत कालोनियों में रहने वाले बच्चों को नशे व अन्य समाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए जागरूक करेगी। राम दरबार, धनास और बापूधाम कालोनी के एक हजार से अधिक बच्चों को इसमें शामिल करने की योजना है। स्कूल के बाद बच्चों को एक वर्कशॉप के माध्यम से बेहतर संचार कौशल, नशे से दूर रहने और सामाजिक कौशल की सीख दी जा रही है। नीलांबरी ने बताया कि चंडीगढ़ पुलिस, एनजीओ, सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एवं मासेज (एनजीओ) सहित प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। बताया कि सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए चंडीगढ़ पुलिस को सम्मानित किया है।

रामदरबार फेस-1, आंगनबाड़ी में बच्चों के साथ एसएसपी निलांबरी जगदले। - अमर उजाला

खुशहाल बचपन की तरफ बढ़ते बच्चे

एसएसपी नीलांबरी जगदले ने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में कुल 242 बच्चे शामिल होंगे। कुछ महीने मेंटरिंग के बाद बैच बदला जाएगा। निशुल्क प्रोजेक्ट के तहत एक वर्ष में एक हजार बच्चों को शामिल करने का लक्ष्य है। स्कूल ग्रेड में सुधार सहित बच्चों में नशा व अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने, छेड़छाड़, महिला अपराध व अन्य प्रकार के अपराध में भी कमी आएगी।

प्रोजेक्ट को मिला सम्मान

भारत सरकार ने इस प्रोजेक्ट के तहत चंडीगढ़ पुलिस को कलाम इनोवेशन इन गवर्नेंस अवॉर्ड से नवाजा है। चंडीगढ़ पुलिस को यह पुरस्कार नीति आयोग के वाइस-चेयरमैन डा. राजीव कुमार ने प्रदान किया है। मौके पर आलोक रंजन (पूर्व चीफ सेक्रेट्री यूपी), गोविंद गौडे(मिनिस्टर फॉर ऑर्ट एवं कल्चर, ट्राइबल वेलफेयर, सिविल सप्लाईज), के. श्रीनिवास(एडिशनल सेक्रेट्री,डोप्ट), देश दीपक(सेक्रेट्री जनरल, राज्य सभा) आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Dt: 02.03.2019

Chandigarh Police get Kalam Innovation in Governance Award

HT Correspondent
chandigarh@hindustantimes.com

ACCOLADE GIVEN FOR PROJECT TO MENTOR UNDERPRIVILEGED KIDS TO SAVE THEM FROM DRUG MENACE

CHANDIGARH : The local police won the Kalam Innovation in Governance Award (KIGA) on Thursday for its project to mentor the children belonging to vulnerable sections of society at the third Dr APJ Abdul Kalam Memorial Summit on Innovation in Governance held in New Delhi.

The third APJ Kalam Summit on Innovation in Governance, which was inaugurated by vice-president M Venkaiah Naidu, is an international conclave of policymakers, civil service officers, NGOs, media and academia dedicated to the task of governance and its dimensions.

The award to the local police was presented by Rajiv Kumar, vice-chairman, NITI Ayog, for its project, "Child- Friendly and Drug-Free Community". The project was developed by UT senior superintendent of police (SSP) Nilambari Jagdale in collaboration with an NGO, the Society for Promotion of Youth and Masses (SPYM).

Earlier on Thursday, the police had arranged an interaction of underprivileged kids with celebrities who were here for a cricket match at the Sector-16 stadium.

SENSITIVE POCKETS TAGGED IN DISTRICT

Vulnerable pockets were identified at Ram Darbar, Bapu Dham and Dhanas colonies. Stakeholder meetings were held in these areas with representatives of resident welfare associations, community leaders, teachers and principals of government schools as well as children in the area to understand the problems and needs of these children.

As many as 242 children are being mentored in the first phase of this project. After a few months of mentoring, the batch will change.

The aim is to bring 1,000 children under this project in one year. The project is running at zero cost to the government.

Hindustan Times Dt: 02/03/2019

गरीब बच्चों को पढ़ाने का उठाया बीड़ा

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। शहर में कमजोर वर्ग के बच्चों को नई दिशा देने का बीड़ा चंडीगढ़ पुलिस ने उठाया है। इसकी जिम्मेदारी खुद एसएसपी निलांबरी जगदले ने ली है। शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने बाताया कि शहर के कॉलोनियों में रहने वाले बच्चों को नशे व अन्य समाजिक बुराइयों से दूर रखने जागरूक किया जाएगा। रामदरबार, धनास तथा बापूधाम कॉलोनी के एक हजार से अधिक बच्चों को इस प्रोजेक्ट के तहत शामिल करने की योजना है। जिन्हें स्कूल के बाद एक वर्कशॉप के दौरान बेहतर संचार कौशल, ड्रग्स से दूर रहना तथा बेहतर समाजिक कौशल विकसित करने की सलाह दी जा रही है। एसएसपी ने बताया कि इसके लिए चंडीगढ़ पुलिस सोसाइटी फॉर प्रामेशन ऑफ यूथ एंड मासिस (एनजीओ) के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। ध्यान रहे कि चाइल्ड फ्रेंडली एंड ड्रग फ्री कमयुनिटी नाम से यह प्रोजेक्ट एसएसपी निलांबरी जगदले के दिमाग की उपज है। जिसे भारत सरकार की ओर से सम्मानित किया।

चंडीगढ़ पुलिस सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूटा एंड मासिस में मौजूद बच्चे।

Aaj Smaj Dt: 02.03.2019